

اس باب میں کیا سیسی کی اوصاف اور اس کی بیماریاں

پیشانی ۱۱۰ - راجہ جی میں نارنگی لکھنا ہے کہ اقبال میں جس کی حالت بہت نازک ہے

ہے۔ جہاں میں نے پہلا دریا عبور کر کے مہرمان کے میدانوں اور مہرمان ریو سے پہنچ کر قصبہ کرلیا ہے وہ لوگھاتی ریو سے سے بائیں طرف بڑھ رہا ہے۔ یہ معلوم ہونا چاہیے کہ بائیں جانب عین کی صفات تو کوئی سیکھ لانی دیکھ ہے۔ نہ دلواریں ہی۔ اس لئے لونڈی کے مغربی مساوی درے پر چالو پانے کے لئے جا کاہد غلامز دست ہو گا۔ اور شیشوں کی طرف بڑھنے کے لئے ان کا لاسنہ زائچہ کھل جائے گا۔ اقدقا دی کا طہر جین کے خاتے کی خبر بہت تیز نہیں۔ کھلے لومہ کے نسبت ضروریات زندگی کا خرچہ دو گنے سے بھی زیادہ

کے۔ تلبیوں کو بھی انہی راتیں کے لئے لیا سو رہا خرچ کرنا پڑتا ہے۔ تب تک ان کا ظلمہ زندگی میں تہہ نہ ملے گی۔ حکومت اور جمہوریتوں کے درمیان بات چیت ہو رہی ہے۔ اس سے سیاسی اتحاد و

عورتوں کی توجہ ضروری

نیوگولڈ کے زیورات میں سے جو سستے اور اعلیٰ درجہ میں سے ہیں۔ فنکارانہ دست میں عہد پسنوں کے لئے باندھیں۔ زیورات کو ایسا رنگ سے تختہ بھی ملے۔ پیر کے زیورات مثلاً چمک بھری۔ قالج۔ طیکو۔ تل۔ سی۔ خنک۔ رنگ۔ ڈور۔ بند۔ وغیرہ سہاگ میں موجود ہیں۔ پیر بھی ہوا ہے جاسکتے ہیں۔ ڈھیلوں کی صورت میں نیوگولڈ دو کر پے لولہ ہے۔

سپیس جینہ کھری والوں کو صرف

سراپلا روزن پیر طے لے کر

عورتوں کی توجہ ضروری

کے لئے کہ جو نیوگولڈ کی ملحق ہے۔ اب جبکہ اڈولہ اور کریمیا جو مٹوں کے ٹاٹھ سے نکل گئے ہیں

ملحق رہے کو یاد رکھنا چاہیے کہ روکس کا غلفہ آخری حد

کے لئے کہ جو نیوگولڈ کی

کے لئے کہ جو نیوگولڈ کی

ساقی

اپنی صفات کرسے اضرار

پیدا ہو گئے ہیں۔ کرور

جہنموں کے بڑی اڈوں کا

یہ اڈے ان کے لئے صفیہ

کے نزدیک پہنچ رہے ہیں۔

حرام کی توقع ہے اطلاق

اسی بات حیت جلال

وصد افزا رہی ہے

چند اطلاق

مخلو کو

مطبی کی لیا پتی

یا اس طرح سے مخلوق کو

سودا کی ہر گز ضرر

طریقہ کا

اللہ و سوسری ہر گز ضرر

نہی

آوی پلاک
کان میں کا
ن خود



इत्थं यदा यदा बाधा दानवोत्या भविष्यति ।
 तदा तदावतीर्णाह करिष्याम्यस्मिंश्चयम ॥

[illegible]

[illegible]

भवेक येनयेन करल्लननिज सुति उतुदुगे... भट्ट
भार्गीवरवि विप्र भुमभुङ्गनिडि भुङ्गीति॥ प्रवरेडु
भउं सुडिण विस्लून नुतुउयेति उरउवविस्लूनव
मिन पुङ्गः भुप्रभुपु... सुएरुडुडुव
एवदगः एतुउनगर दिमजनं, भापगि विस्लूनं
मभुपु विडिमलिकं विस्लूनमाडुति॥ सुतुव
मिनः भुनः कल मिडु भुपुनकि विस्लूनमनयमेम
नविस्लूनमुपुडुव गवमु तुरल मिडुकभुम
कल्ले मया सुतुभुडुडुतिदम॥ ति॥ भुभउभिडुयम
भुभभानभ उमेयभिडिपुडुके... मदनभनडुपु
भाल्लकलिकल्लनं सुतुमभुमउं मिडुम॥ उडिउम
भीपरभनभुिकनल्लनभुमरे कुभदतीति
उभिकल्लवभमयिन उडिपुम सुयेणः, उमइयी
भाल्लयेणपभुपउवे सुवठमनभाल्लण उरप्रचउ
गकल्लुठमनइयीडिण भुवभकमभीभंभ डि
डीय भुडुभीभंभ उठयइ भिमपाडु पिडुग
वडुमणगल्ले सुउमीभंभ सुपमेमः उनिमवि
धय भुडुल्लप्रचयकमडुतिभिडु तुराणनि उर
भंगल्लकमडिल्लिभिनीयः भिडुल्लनभिडिवरुडि
नडुडिमभुभिडुठमनयेडुमः उषममेमनल्लक
ल्लेउपडुडिल्लेभिडिभुनिभुडुम॥ भामसुविधय
निय सुनेवपुनधमवरेणयडिउषमवे उषमभुडु
निमएभिडुडुडि, भाल्लिडु, उरमरेमभुडु
भाल्लनभुएयकमउम॥ वयमयभुमरेयडु
गनभुडुमनभु उरउरुमनपडुयवनिडिभु
वडीति भाल्लउडुडुपिक डुममभुयल्लकल्लक
मभीभंभ मडुगभुयल्लकल्लभिडुउडुडुपिक
उरुभीभंभ उषादि भवेपविमंभुडु, उरु
लगाडुतु उषमभुडु, विस्लूनभरकनविस्लून
यमिति एउमभुडुगडुन भिडिभरभुडुविडु

गंष्टाष्टाष्टमः परं इह मन्त्रमिह उक्तिः कतु
 ठेउति प्रवर्त्तमानं सकमउं सकतु ठेउति उर
 श्रीमं सकमउम ॥ यदुधिसमस्तु प्रवर्त्तनी सु
 रवामिनेन भिकपमम प्रष्टाष्ट उवधितं
 नमचवनी सुगुहमिह उक्तेन परमपद
 मन्त्रीकगता उर अलभुगुगिगविह उमद
 हः प्रवृत्तिरुदयः मधु धेउमकसुर्विकर नप्र
 प्रिविह उतिः परधः एकममद्विय लिपाम्
 उतिउति धेउमविकरः उउं म उचिम उमुनि
 परधः पादुविमक उतिपरध भिउवामिः भ
 उः भमपरधकतु --- ठेउति उउमिउम ॥
 लेमक उविपाक मयैरधम भुः परधः ---
 गंष्टाष्टि धदिमक भी सुगयेग
 माप्रविमय --- इह उवामम
 भा ॥ सुषपामुपउम ॥ उमु धमुधतिम उउ
 ठेः धमुधमपम उवामिठमन विण उउ
 उमु कमममा उ विमधममवय ठेणनः
 धमुधपम उ उतिकमः ॥ धुमाम धुमय नि
 भमय धुमय नम भुउमिह उवयव उउ
 माल्यविउ उउ उठ मळल उतिनिउ
 भुनठिणनः धमुधमपम उ उउ मपम
 यः उउमपम उउमपम धमुधमपम उउ
 घनठवठम उतिमिउ उउ उउ कगम उ
 कं उउ उमउम ममव यि मममव यिनिमि
 उठमन उउ उउ मवउं कद धुउ उउ उउ मवयि
 कगम ॥ उउ उउ मवउं कद धुउ उउ उउ मवयि
 मममवयि कगम ॥ उउ उउ मवउं कद धुउ उउ उउ मवयि
 भा ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पं.
२१.

[illegible]

[illegible]

पं.
८१.

[illegible]

[illegible]

पं.
७.

[illegible]

पं.
२१.

[illegible]

[illegible]

५९.

एवं भूषणं परिक्रुतयामभूत्तलन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः
 भूत्तलन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ १ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ २ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ ३ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ ४ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ ५ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ ६ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ ७ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ ८ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ ९ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ १० ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ ११ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ १२ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ १३ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ १४ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ १५ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ १६ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ १७ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ १८ ॥
 कुरुन भूषणं कुरुमेव कुरुवतः ॥ १९ ॥
 त्रिभिर्भाषीतुं सर्वं विधमति ॥ २० ॥

[illegible]

५०
५१.

[illegible]

[illegible]

५३

गभक उभुडुपडा मकडकली डुजं प्रचरुडु
उडुम उव डुम डुपुली उव डुल नभड
धामपुगभम - धिपुली उव भिडु उडिमभ
गल्लभमभि उडिमभपुगल्ल उव डुमभपु
दयेड विठुल्ल न उडुमभमयभुडुडु
डिउमडुधधल्ल मडुपुली उडुमववकल्ल उडु
धामभमडि निय डुमसकल्ल वडुवडि डयावि
रः अनिय डुमसकल्ल वडि डयाविः डयन
धमिकनं पण्डु धं रडुधयभमभडुडया रडु
मडु रडुडुधवल्लन डुमकल्ल डया विधयः
भुडुभुडुविणयः मडुवमिडुडुमल्ल ड
डुममिडुल्लन ठिडुभनममन कयमिडुपिडु
पुडुन विमडुडि उवडु डुगभजु निचिम
डुमभुवमभुडयः मडु डुमसकल्ल डया
मभडिः मडुडुमभडुडुमभडुडया निगल्ल
भुम उवडुडुभुडुल्लभुडु धरिभुवमिडु
मडुः धरिल्लुडुडि ॥ ८ ॥ मडुमनीयमठिभन
नभचनडुल्लकल्ल - डुगभचभमभुडु
भवडुडुभुडुगुभविधय कयनप्रचभमि
डुमवडिडुधमननियडु ॥ डुमवडुडु
पणधरिभुवमभमनकय कनडुडिडु
मिडुधिनकडिडुल्लयडि मभुमिडुमभमि
लडिडिभमभुडुयवधुमिभुडुडुमडुः भक
लल्लननीभवमभ ॥ डुमडुडुवडुभम

[illegible]

५.

[illegible]

[illegible]

पं.स्री.

दन्तमष्टभकुवयः परने उद्धवं भमठिगण्डे
 मविधुणिय भुमे उद्धुय पविलमिउभमधंर
 उमिरे ॥ १ ॥ ठेठगवठिमिरेमिरेकभमवउ
 उमिरेठगवठिउद्धुयपठुठिगिउभचल्ल
 उदिगुल्लठुठिगिउद्धुयपठुठिगिउभचल्ल
 भदयः पूडकवदिनः उवउद्धुयपठुठिगिउभचल्ल
 पंमठिउवमठि यडिउमिरेमिरेकभमवउ
 गउद्धुमिठिठभमनठुठुठु यमठुः। मय
 मिठवठभठिरेठवेवमिरेमिरेकभमवउ
 यएवलेकमठिठि उउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 मायवउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 विउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 भमनठुठुठु यमठुः। मय
 गमठिउमिरेमिरेकभमवउ
 भवउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 एउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 एउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 मठिउमिरेमिरेकभमवउ
 किउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 उमिठि। उद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 एउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 विउद्धुयपठुठुठु यमठुः। मय
 यमठिउमिरेमिरेकभमवउ
 मभनठुठुठु यमठुः। मय

[illegible]

एवमपि गीमय ॥१॥ उंभउव मिमिपुपिउप
॥ प्रचंवेदीभुपुंउडिउं मउगुलकं मे मी
लनभउगुमभनैगवडीउउयप्रडिपुंउमनीकउ
कुंमउमीयकलमेमीलनमेवविकमविउम
गभाउअमववलवेनभुमकुलमुपउपउम
पवलविउम ॥ उडिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
मउडिगलनंभुविपुंभुणनंभनपि भुणनंभु
वपुध किमपुभुमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
ठलपभमुभउमठनंउंउउकमभ ॥५॥
मुभमिउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
पुपउउउउः मचपकुमकउभुमउंमिउंमिउं
भुणनंभुगुमगुमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
पउनिमः नियउमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
ठनउंउउकमभिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
लभाउवेमिभुभाउ उडिमिउंमिउंमिउं
उउमिभु क मलेकनमलिउं उउविपउप
उममीलनप्रचमनियउउपउमवलमिउं
उिभुमभुगणउठय उउकमिउंमिउं
उुमगलनंयन यवदिभुलयकेकलेभभमिउं
विउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
मीयउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
पमिमीलनभुमनयमभुलणगउंमिउंमिउं
भलउभेउपिउमडीठवडीउउमभुगलनंमिउं
भुमिउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं
मयनंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउंमिउं

मभरभी ह्यउमरहृपारदिमधमाद, पूवि
 धंभनरपीति, उम्रभरणंभुदिमृतिभुनंभुले
 पंनिगकगलठवामुलिउभनेम
 विधंभवहृमति विमृतःकगलउ मिबभ
 धुपलमलंभुपुपुहठिहृनभाल भुणव
 धिवधवेति परममिवमगल्लभूउभंड
 वधंभुपुभउयेति मृपुधुकिभनभउनेव
 निचलभूपुः॥ उहभमल्लभूभयदिउडेक
 हृमल्लभूडिममिति उहभदभभरकुरः५
 भल्लभूभयभूभउगउडिभिमिहभव उहभ
 गविहृममकलःभेभःधेहमकलःमिपीर
 मकलःउडिकलनंकिगल्लभमभूडिमडुम
 उधंकिगल्लभमैकपुनभकलीहृउपरभूरमि
 भूल्लयपीडिहृपुभपत्रभयमउमवभुलेभ
 गियभकल्लभमभउगवकिमिहलेकिफ
 भरिउयेहृगपरिममितिभुल्लभउयउउ
 दिगवभुहृयेपीहृः॥३॥ प्रवेमनीरलिउध
 हृडिगल्लभिमिडिमिउंभहृरुनिकुपलंभुयल्ल
 ह॥॥ गहृधृउःधहृल्लठगभुल्लभुमि
 वलयभूरडिहृडिहृडुमल्लिनियउठडुडिय
 उधउंभुहृहृरुममल्लभयहृरुममल्लं
 लंभुमडुभुगउवडिभभुनिरिभउ॥७॥
 उहमडिभभुगवदभभउउभुभिमिभचमि

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

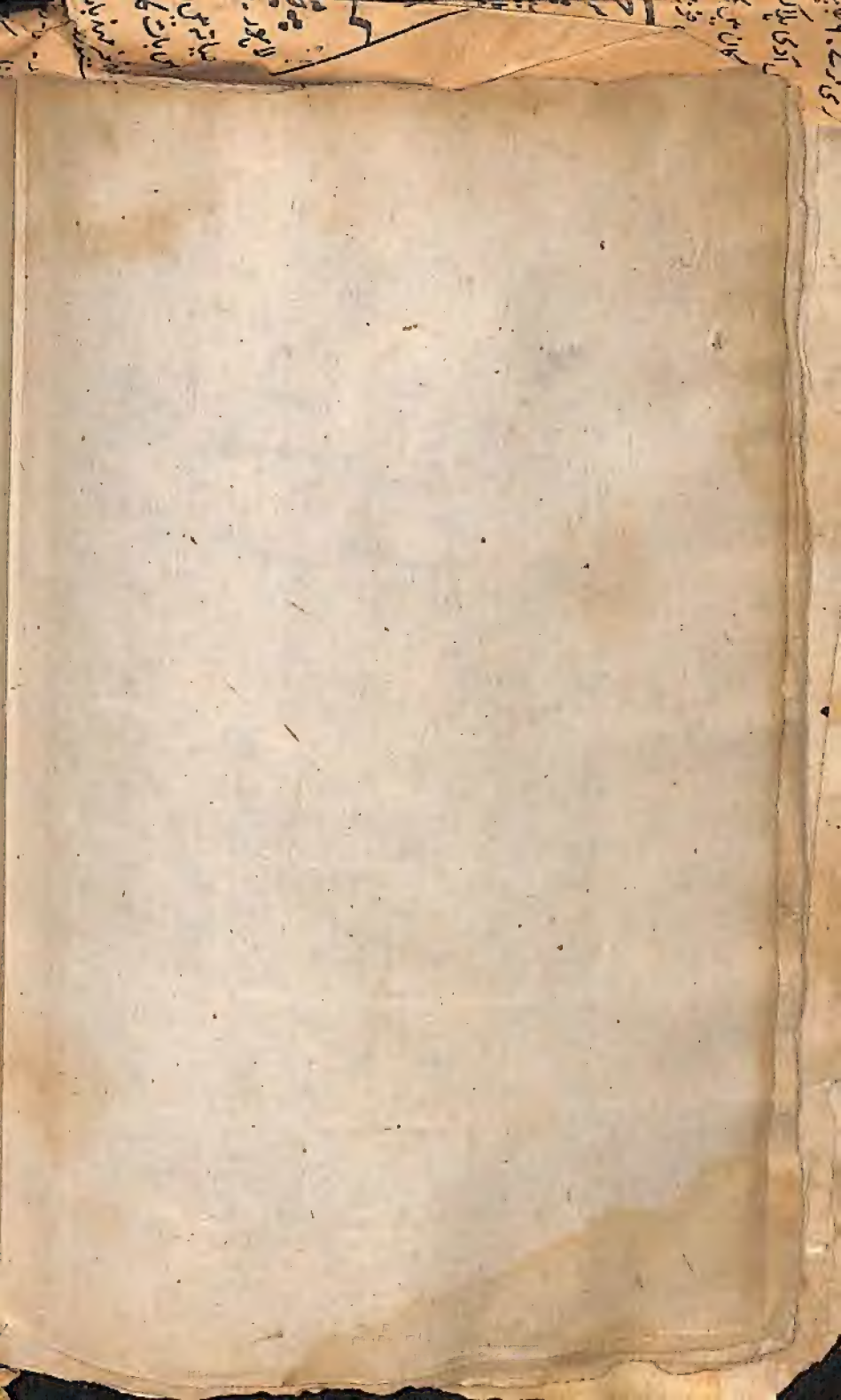
पं.
२७.

उसुगषुगनीमदमगष्टंदिमगष्टंयेमदगुड
डिनियमगुठमीकुटनियउपरिसुमदिगल
नप्रचकंसुउउधमननेडियगुठिःमेण
नंउउमुउउउमिउउउभाजीवनउपंमेव
धविउउउःमिवधनधकगेविणयउध
ठवनभुउउमुलउउउधउउमेणधक
गेमिउभाउउमीवरुमिगिउधनधक
उडिउमगुभाउउडियविरेपमुग॥००॥
उमिउंभेठठवनमेणधकउउउलेमेउ
नधुलेपभाधकउउउलेमगु॥ ॥
धकुमानगुभविमिउमंगीमउयमवीध
विउउउउउविममिमभाधुकवलयन
धविउउउमंलयमनठमीउउउलः५
भाउउउउःमिवमउलमधुविमति॥ ०३
उउउउउउउउउउधउडिकमिउक
मिउउउउउउउउकमभाधुमिउउउ
उउःकलनगुडीकुटनधुभाउमिउउ
उउधधउउमिउउमिउउउउकमलंमउ
मउगवउउउमिउउधमनःकमलउउउ
धयंकमधयउधमवममउउउउउउधय
उपिउउउउगगमिधमनःकमिममयउिक
मिउउउकमभाउउमिकउकमलठगउ
विरेणठवनउउउमउधउउउकमभा
ठवनःविरेपधनउउउविमउउउगमन
उउठवनमउधमनउउउउउउउउउउ

धं.
२७.

[illegible]

शुभं पद्म पद्म पुनल कं मेव पितृभान पुनल कं
 कवल यत्र भयतिः मेधी कुचन। सुयभतः वि
 मेपल यः एधक इय कवल नैत दुयं सुय
 भभुभिउभयं विरम सु इधवेम भित्तिः येन
 पक इय कीने पिठं म सु इय गभाये गतिभाम
 मयति उवाणत भभाम गतितायं रविम सु
 विमिउे वन म म मयल न च। ठ भित्ति
 रविम सु रतं भवं कुले ठ भिठ्ठ कुलं
 सिवं प्रविमति। लये ठ वन म म म म म
 चम क क इ म म नः उम निः मेधी कु
 कुलः सिवं प्रविमती डिय इठ ग व डी भूम
 म म व डी डी डी डी ॥०९॥ उम नै रतु
 तिडियः क सि इय म नै रठ ग व डी भूम म य
 इ भित्ति ॥



۱۵۶
در سبب آنکه
عوض
کر روز
اول
ایستاده
باشد
اول
و

विभवतु नय धिमिनुयलं भमयउदिउनभुङ्गलभा
भयमवविबमक सुकमिडुनयउमुउंभयउ
मउम॥ येनिमकभुदिमुठवहुउनभुङ्गिउंदि
परिउलडि किंरुमयमुवि भमयउमुङ्ग
गनमेः ॥ वेजयवउ ॥ इप्रवममुवभाउउयम
उयभनएउप्रएउयिगिनिडकममिकविउमि
मुनीडिगीयमुवमुवभाउउयल्लभठिणउ ॥
विभेउदविहमउवहुवगपिउमभडिक
नउउरवमिपरेलयति एउकविउउमुमपुक
रावेनेउल्लभवमुयिल्लगल्लनविमुमः० ॥
ठेएगल्लननिगमुडिविकारमिडिल्लगल्लव
एल्लभउउउमुएननीकारल्लउउयिउंमु
मुभुवमुनयउउयलयतिभवपुनयउमयि
उउवेउमुउयवउउउउएवकमकउयउउ
मयउममन एयिल्लयठिठवेगउउमव
कमकः उहुमभुडिगउउेडिगीयमभकमकः
मुभुभउउननपिकदुईदिमिउमिउउवाठग
उउएवलयतिभंउपीयउवाउएयभीति
उहुउमएवेउःमुउ मएमुउउयुरपिकद
नपिकगिल्लमुहुहुठमेनमुउ भवेउमुउ
भदल्लभेउदयति ॥ मउभुल्लभउभिउउमवग
मुउ भुल्लभउभेउदविहमउवः भेउदयवि
ल्लभनंमउमुउकनंउवउउडिउउः मउ
कभाएःभुन यउवेळिउः उवाउवनभुउउ
भमयकल्लउउः उमपकउउननकुएः
भुनयउः उवाकवठवः कविउं कउंडिवि
पं पमभुएनं, मुनयभुएनं, उउंउवममि, मय

[illegible]

५.

[illegible]

[illegible]

५३१

पं.
३३.

नेधुठुते एउरुउपुपुममपुगं पुममे
निमिउमवगुरु पुनमपुगं पुपुमपुगुगी
कुउरुमः पुनममिभमपणभियभिपुसुति
भउठवेमिउउः उभिनउपुहठिउउमुपउउ
नेउतिगठिउः मुउः भवमममुउउउः उउम
गः सीउउएठिः पुतिपमउउ विमयविक
लः उतिमगः मउयः मिनिवडीमुगए
पुठिगवकीनमममीमीभुतिनीवमममि
उउगलवतिनीभएनगीउउनयनमउ
उयनीयेउउयेनेतिनयन भवगउउउ
नेउ उउठमपुमकः पुनपुवदः ॥ ५ ॥
उतिभभल्लमतीउउः निगुगंनिठिउमव
ठिउउमुममिपुमयउपुठगीउउः ॥ ५ ॥
उमनीरुमपुपुउउपुपुउउमपिउ
पुमिउउउउउपिकवल्कवद ॥ ॥
पुमिउउपुमयनपुदरउउमुविउउपु
लतिमिभितपुमपीः यमुवतिपमदी
पुमयः मपधउउमपहुएनः कः ॥
पुममः ॥ ॥ ॥ मउतिउतिउमपुमवेउ
पुउयपुगीउः एउउतिउउउउउउउ
पिउः उउमववल्ककीपुतिपुपुनउउम
लेउयेरः कः एउनगदः ॥ कः मउउउ
उमयनपुपुपुवगउउउपुपुपुचीपाल
पिउउउउवतिमानमः उउपिः मउ
भवमिउमपुलेगएमपुलेमवउउपिक
गिउयेतिमउवतीउउपमदीभवहपुतिउम

भनउउडुडिदकुड कीमका विहुंगेयदिहुं
 प्रियेउ डडिविहुणग एउत्रभकगनुच भुधं
 पूलतिः भुमेयनरुयलमुउ भठय पूलम
 मुधितयगपी० ॥ डडुडिवड प्रचदिम
 भठेगएडुदमुत्रकेव लंमरुविभयवी
 भुपु डमगुलपिपडुपुउं यवदिहुणग
 लतिपगपी० डुनभुनलेक पिपडुमपिपु
 भुमिडियउमेउ डुदमभरुएरलः कललः
 भुममः भुगणवडुभुठउवेलयं विहु
 पग पुयविहुः डभुपुसीडुलेपिमव
 लेकपिपडुमिडुपिमममुमयः ॥ मुसम
 कडिमिपुडिपउयविडिडनुडिभुमुउेम
 मुउे। पसीडुले यडिपविहुंरडुउडु
 गीमिडिनीड पसीमडभुनडु विधय
 निडुवडुं डुडुउडुमभुनउभयडु डमयन
 भयभुउमएवदेडुउलउयेवयंनभनं
 यभुभयभुमुमिगडिउडुमुपुभुमि। मु
 पिमठिउरभेयः डमयनभयभुमिपुम
 कडामुनडु डुडुभुकभुमिभनयेगिनये
 मरुवडिपमवी पूलयः भवलुभचकडुउ
 लठः भडुडिउरुपः एभडुडिभमडुपः उ
 डमपडुललः कललः भुममः धने
 पडुउगभुउलुयउ पुहं भवमिडिपगलुव
 त्रियउएवभरभडुडुलुउडुलुः कललः
 भुमविभमडुः भुमलुउः भुममभमडुपः

पं.
 ली.

मङ्गलार्चनम् ॥ १ ॥ श्रीगणेशाय नमः ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ २ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ २ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ३ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ३ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ४ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ४ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ५ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ५ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ६ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ६ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ७ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ७ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ८ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ८ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ ९ ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ९ ॥
 श्रीगणेशाय नमः ॥ १० ॥
 ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ १० ॥

एवठवदुमयेठवेग पाभवउउकवठवेमि
 हउःपुमे तिउि यउमुपहवउःमुः
 कीमुमेःउः इउमि ठवदुमकमलपु
 ममुकेरउादनेन्दमतिठिःभदुवदिठिः
 मरन्दुंमहाडीउकणउउरुदिउभवे
 मरुउं मुउएवठुतिठिःउउःभदली
 मुउएमठिगिउउः मुववठुतिठिःपडि
 उःगीभामुगिउडीडिकेमाउ कीमुमी
 कीतिःमीगिउ इउउमुयमलःमदः
 पुहकंममुएउ उउगुंभेउमीगवमवमउ
 एवमउवमपिमवउयेएनीयःएउ
 निववउठिउकउ... मवभीडिकउक
 मउपवउकउनभमिउनिउवउडीडिगि
 हउः॥ मुवमकेगपिमदुठिभानविग
 लनमुउिवलमुभनमनिममगदिउगि
 उरमिउवपुहठिउमुउपउउममुय
 मगलिठिःपमिमलननैउवनडिउयधिन
 रमतिमिवउनिडीडिगठमपुवडीपिमु
 उकउलभाउ उउमति पमेमुववउ उ
 येगउंमिमुममुयःपुलिपउेविममः
 उनपुउःमुउभाउउमविकल्लःमुन
 ल्ममतिठि विउमतिमल्लमुमदिउःउ
 तिठिःनियममतिमदिउः॥ ॥ ॥ उमरी
 नकेवल्लुलेकएवउमल्लुयवदुमल्ल

५.
 ८१.

केशपीडन॥ कल्पद्रुमप्रभवकल्पितमिद्रुप
 एवमपीडितप्रियुतमममरजुगीडिमनिटं
 छदनिठवडीभुपवीलयडिविहृपगःकनक
 मेलपुनगनकेव॥ छठवनि छठवसुभीठव
 नीउभुभुमत्रुलं सुभुनंभुहृठिभायीकगलं
 दिहृपगएउत्रमकगीउउमलमवदिम
 धःठवडीभुपवीलयडिविहीलयगयडिउ
 डीकुठेडिउमभुभुगयडीउः। कन
 कमलः भुवला मलः भनः उभुपुनएवगपद
 भुप। उडिउभुवनिटंनिवमडि। नवषषागुन
 भुवमभगभीदुडिभुभुउगयडि। की
 नमसीठवडी कल्पेडि भुमवः भुधालि
 कल्पयामासुडिभुठवएवयंयडुडिउंभु
 हुमत्रंठवेड। सुउएवमिडुडुम। उषेडी
 भिउनं। उल्लिउनं प्रियुतभानभासम
 उडुमभु कालः भमनदधेएरजुः भग
 गणीउययभुः गीउम--- भमभुकरल
 नंठवएवउडिगनजुमलः॥ सुषमठ
 छवनि छवडुडुडुः भवभिडिठवः उडु
 डिमभउभुप। उडिठवः भुकुमः उभुमडिः
 उभुपिमउमयिनीठवनी विममम
 डिः नदिउंविमभभयंक उमिममभिम
 उंम। उंमभजुः उभुभुमत्रुलं उषाउभुह
 १५मत्रं। विहृपग विहृकिडिहृउउ

[illegible]

၂.
ပုံ
ဓာ.

मंभ्रानंभ्रतिभ्रयापीकरं ज्ञेयश्रुतिरः
मभ्रुः रज्ज्वसनेन निटन भ्रुल्लुत्त मित्र
एवमभ्रः भ्रुयं विनैव उडिद्रिद्रयकुः ॥ ३८ ॥
नः गल्लुभ्रुभ्रमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
ल्लुद्वानभ्रुभ्रमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
मयडिनीरुत्तु निरुत्तु निरुत्तु निरुत्तु
रति भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
किन्नतीतिउत्तुल्लुः किन्नः भ्रुमीयः यथाभ्रुमी
यननीरुत्तु उभ्रुत्तु उभ्रुत्तु उभ्रुत्तु
मिद्रुत्तु भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
ल्लुत्तु भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
भाजुवलिउत्तु ॥ भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
रुमील्लुत्तु भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
चरुत्तु भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव
उत्तु भ्रुमेभ्रुयैगिकभ्रुत्तु निव

उमनीनकेवलं ठगवडी प्रकवे भन पुने का
 यवनेने कपी टाक ॥ मवि उर डि ना प र उ उ
 भयापः पूट प्र मे डि क मे भुम भुम उ डि
 भवान डि उ डि के न भुम भुम गी ॐ श्री भन श्री
 भिजु भम भुव क यि उं यः ॥ ०० ॥ ठम वि म
 वीरु उ ठि ध क य भि डि के म व म न म दे क पि
 य य ट पि उ उ न टा ए व निय भि उ भु व पि ठ
 धि क सी न उ उ व पु रे ग म म न उ उ व निय मः
 मवी म व सु उ क टा म व पि पु रे गे म सु उ उ
 उ उ म वी डि म व भ डि धि म व क टा म व
 द यं निय मः म सु उ न यं निय म उ उ म दे
 उ नी ट म वि ठम डि ना प र उ उ वे म
 यापः ठ व टा म ना प ए व भु म उ उ व ठी म
 म पि उ वि ट उ उ म न उ उ ए व भे न उ क र
 नि व र क ठ उ उ नि उ उ उ उ नः भ या प मी
 पु ये भ म भ न न ठ उ न उ उ डि प्र व डि की
 म म उ डि भु म न उ म म उ पू ट प्र डि पू ट प्र
 प्र वि ठ म म डि उं य मे डि के भु म ठ ल नि
 उ उ मः मे उ वे उ उ ठ उ उ उ य न उ उ उ कः
 उः भ म भ म गी ॐ भु ग ठि सु द मी भु मि डि उ उ
 न म म ल सु द म लिनं म व नं भु म दः र म मः
 उ मं भ व उ उ ग ट य उ डिः न म भु मः उ न ये
 उ डि क रः उ उ म ना प भ या प उ डि र म न भु न
 भ क ठ व न यः भ म उः उ डि ध य श्री भ न श्री भि
 के म प म भ उ उ भ म भु व क यि उ भ य म
 प र व म म र उ उ म न श्री उ उ म मि रः भ य

प.
 मी.

मल्लमहिः कुम्भभुवकयिः ॥ मृदु पंठवः
 उम्भययमवभियमिरभुमेपुगेनिणयकव
 भगमुयः उम्भययम ॥ मं उम्भयभनरधिस
 यगः भमयः ॥ ले किं के धिगएमिकः भवठ
 भयमभगमुडि उम्भययमभवउदवभंगमु
 डि भयमउमभमभंकरेडि उम्भययमभिकं
 मउदवउम ॥ मृदु ॥ ठे म विविभमभर
 भुपु उम्भययम ॥ नत्रियपुपु उम्भययम
 नत्रियपुभरपुपु निमलउमैडिकन
 मेभमभकमे उम्भययमपुपु उम्भययमभिकं
 यउ यउः भमभमगी ॥ मृदु मियेवीनं म
 कनउमै निविकलउय विधयवलेकनं
 मव उम्भययमभिकलउयभमभंनडिः
 उम्भययम भोभउमीप्रिभमभठगयः उ
 भमभुवकयिः एणवमयिउउ ॥ ठवउम
 मभउमभकवउ विधयवलेकनं मउ
 ठवयगिउः ॥ ०० ॥ उम्भययमभिकल
 मभउमभकवउ ॥ मविभमभिकल
 पीडिमिप्रिभं मउललमभमभयपुपु
 मिमिउम ॥ ठवउमभिकलउउमभिकल
 उकगिउम उम्भययमभिकलउउमभिकल
 यम ॥ ०१ ॥ ठे मभ मिवमभिकलउउम
 उम्भययमभिकलउउमभिकलउउमभिकल
 उम्भययमभिकलउउमभिकलउउमभिकल

ककुल्यनाम
 उम्भययम
 मृदु ॥

पं.
ए.

[illegible]

६५: ०३

[illegible]

ॐ

[illegible]

[illegible]

गवसुमचधंयगमिनिहृत्तनंउमरीनर।तिउ
हुहुहुमिउमंरुवन।१॥मीहृतिमुपय
डिल्लगहृपुपूकासीका७मिडिम्वः ५
उषामीहृतिउमुडिमचंकदएउंविसेडी
विचभयउहृमिडिम्वः ७॥ उषामीहृ
डिगमुडिमचरमुजमुअरभिवति।मु
षवएनडिमचमिडि मचगहृजएनग
उहुतेः ०॥ उमुयंमवीउमुमुमहृ
एउमिउमुपमगलमुचकसीरुहृनंउ
गमकरिधुः मउकयहृमलीनममपियः
मउठवममगउउपिलमंमुःपीरः।उहुव
डियसीवमुउमवधंचेउमुउपठवहृवेडिमु
डिपमयति मुगमयहृउठवेः कषयतीहृः
किंउमिडिमुहृयेयमिडि।येयंउमेवगकउय
मुहृः महुः मचमवहृडिकरः मकमि
मीहृति गगनमयममहुः उमुमेठमय
मुंमलिः यमगउउरदममहुमुमेठउष
उउउगगनमुडि महुगयेः गगनममहु
यमुपहृयेयंमगलमिपुपविउमदि
मपमगलः पमपः नगणलः मकमिडि
डिकरिउमुठ मेधिममहुगउ ठगव
डिममहुमेउ कः मगमगमुः मगल
मगनममगलमुहृनंमगुनः मुपुन
गहृकसी मषवनिगलमुपुहृगएउ

धंभलेवधुः यस्मात्तुकाष्टाभरदिभकभु
 मिदमुदमेवामठगभचं चरुदुगपिठेपुः
 ग...पुनधेदिठेष्टावउमुअयेयुमतिउठ
 घनअभाकमुवमभचंसीधुपुंठेष्टमवति
 ठेष्टुपामतिमुमभीटउः ॥ यदुमभच
 भित्तिकवनमुमयः मिदमुचमवतउमउ
 विधुवदुल्ल मुवमयेयभिति वभुठिठवठुः
 भमगीगवउठुउउः भंभगमयी मुपानुपः
 महुः प्रवल्भपवदिउठुल्लमिदमुल्लित
 भउउ उवभगुठुठुल्लयिउउ यस्मायपुग
 लः पुनधः पुगउनेपानमहुमु भल्लहुउः भति
 हृदिमिउउतिपुनधः पुगल्लुपः भदः गगनउ
 हृदगनभलिः भउपुनः भुनगिमयिउउउ
 धुयमठुकमुमदमु भेदविदमकमुमिभुउ
 धेष्टमदमुचंमजीतिउपममेयेगुंवभंभउ
 गमकसि भुभुपुल्लठमउ ठेदविउठुमतिभुति
 भमयति उमवममंविमपामतीपुल्लुपने
 पपिठंउउठुभीटउः ॥ ७७ ॥ उमनीमोहि
 भंभगमिदुभाकमकतिभुउठुल्लमल्लम
 वीधुपुंभुति ॥ उमुवउपमउउमुपुल्ल
 पुकदमहुदिमिउमठिमाटयमविठुमि
 लयेउभरिठुवठेकपुनमुमनीमवः मिदमि
 उवउउयभउपगः ॥ ७८ ॥ ठेः भंभदिमि
 भंभउमिधुमुमेधकलामरभदुः उम

धं.
 ली.

[illegible]

पुत्रमिहिवर्तियेन दिभं सुरमिभालम
 नमुडिरकल्पमभनमेन उद्युविलभुम
 नर उभनतु कल्पमन्दिमिनेः म् एमिभुम
 निरुपिलभम ॥ ०५ ॥ भुमगीरमलीरमि
 केमदुमगिमेठमिभयपुत्रे येन कल्पमभ
 नमेन निधपमिउने यमुदि मन्दिमनिनंभ
 नमंठवे इकषं उहुने पुत्रः शुमिडिकल्प
 धाठवेधुमभल्लुउ, नदिमी म्भुमभ
 पंमिउडिमुउ डडि भविमिउने येन पुत्री
 डिमिउडिमुउ भुमिभयत उडमीडिठमज
 म्भुमभयुने डीवमदयः शुम म्भुउडि
 धुतः येन मिहमेनु किरमभालमभल
 निमलमुडिदमुभंभीमुउ, म्भुवलेम
 वडीमुभमुभमिहवेमंटे दिभं सुरमि
 डिभं वनेवमि धलं कीरुमी उमिडिभि
 सुरमिभालमभलमुडिगिडि, यवमदुकि
 म्भुमेनिरमुभुमक रिमिठवत्रिउवम
 म्भुमिउडिः दिमवेउधंभीलेमवती उडुय
 उडुमन्दिमिनेः कडिपयेवेमिनेरिउने
 नभयडुकरिहंमजयडि वपिलमंभ
 एमि, वमः भग्मुउ विलमं विकमं
 वमं व विलमं वेमिउं, म्भुमिउडुम
 यमि, कीरुमभिडिवेमिउं भवमजयडि
 विलभुमिडि निरतलभवुवउं म्भुमदि
 एउमेवदुइवेमिउं निरतलं म्भुमदि

३३३

धं.
ली.

यमित्रयदृक्मभङ्गलमष्टवजिपुंउवभुनव
 यवकपदुपिङ्गभिडि॥ उवांभुनवांभुन
 गममः भगभुममविचपाभुनमडिवि
 भीलहभुममयाभंभुडिहिलेययभा॥ भ
 गममेभुनष्टेयमगभुमणीनमिडाठवतिउ
 इकागभभा॥ यउः कभमरविमरिउ
 भःभुलाः भमवेडि भुनिमुपनडाः कधं
 ठवभुदृष्टिकारिलियेभदविभमष्टवि
 नवभमुकुंउहावकभभुमलजकयकुंउ
 सुदिङ्गकपिमंउवउपंउरगेभंइयेपुय
 डिभदभङ्गलभुपुहठवनेवविवमिडा
 भदभङ्गलठवनंभुडाभमष्टवजिउकु
 पुंपुयगीहउः यवपवयवकः भुन
 कायवेलजभुभयभुभः भदव
 गीडिमभुमीडियेगविठगभुभमः व
 भुभुलाभुभपमलनभिमिठणिकाग
 गीभुदयठवः॥० भुभमयेउवउपंभु
 पुंनवंभुगउनभपिउभुभुभुभुव
 नवयवकंभचभिसं भचभगभगभ

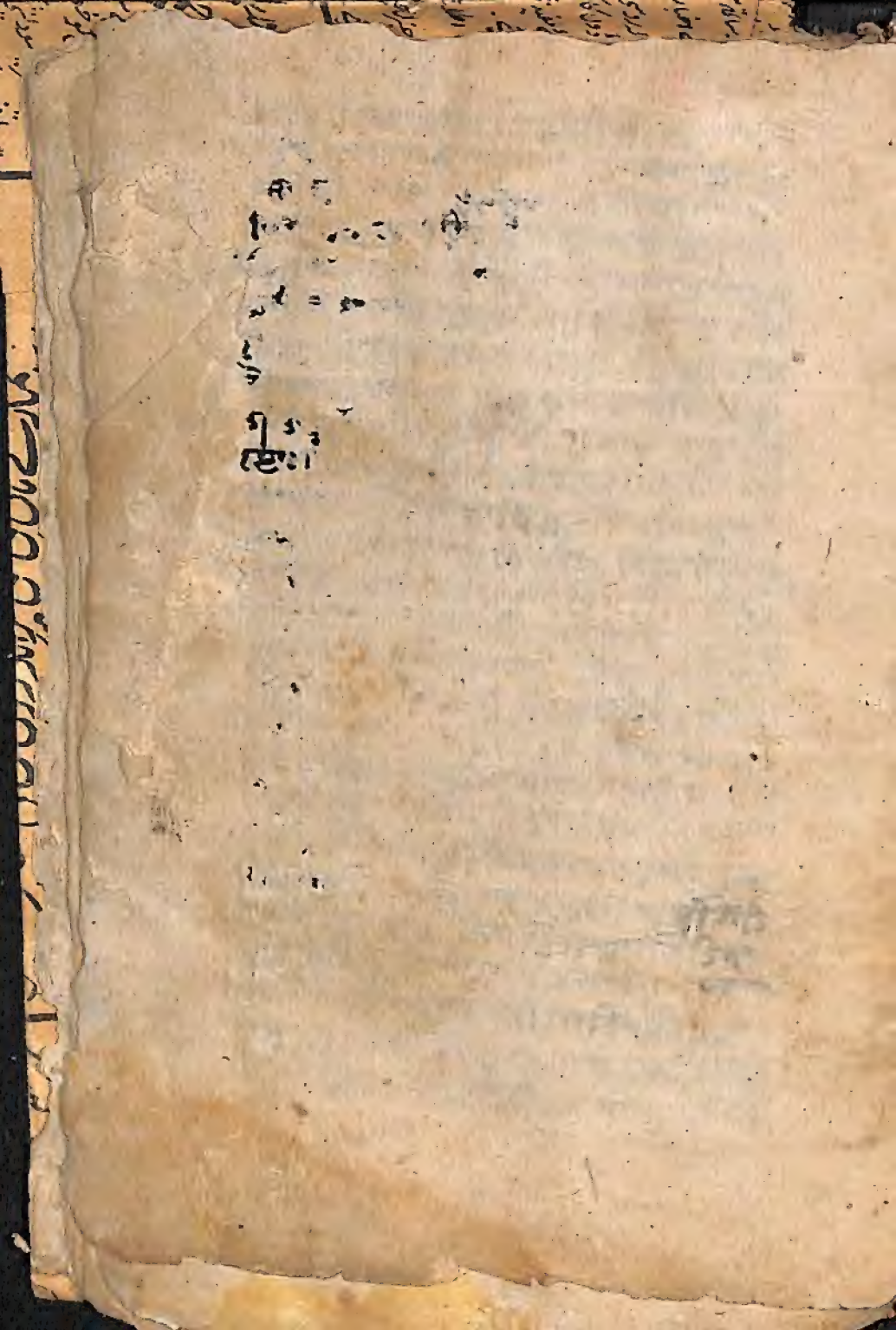
श्री.

युभिसुल्लुडिण्डुनमगड/ थकं भवानुधुडं
धमिबिसुल्लुडिण्डुः थिडं विमसुणनडा
कुपिलं। धुभा... थकं मसकल... कमुदमे मडलं
कुलमएवति उयेमसं भामावुधुधं गिजयति मसं
भारति विमसति भमव भवानुधुधु उ
धं भगमसविधयनेध... धरगु (मिय
मउयेवमगाठवति उधंनेमिया लिउ
लाडिधयानुडिगमुति मपिउयम भ
उमुरयडि उवाउठवतीटउः॥ उमभय
णः भव विमथक उम। उमुजिठिभिः भा
गीउउममजयः॥ ०७॥ उमेनवीभिडि॥
भणियः सेठन डुयिर उडा डीउठिदधं उच
णियेनराः कवयेः धवरमन कउर ठवति।
भउउकुलभलेकन वतुभव कीमसमु
उठवती तेनवीकुलं मावुभनी निमूल कुं
कलं मंथलमुडिकल कुठवती टठिभयः
मउठल्लमसं लला एमसे मउउउय
ठवः मवल कयतः उउवतः कीमस
भमभिता मउल्लुडिउ कसउलाभि

डिमनु कला विमेषल भरेल्लेडमुं यवेकैव
मनु कलेमिडा भवभाकमउल्लेडयडि।
उवेकैवदं भवंठमयड्डी मसीयडुं पु
यडि भकवीठवडि, सुडठवना लिउणियं
दुठवना निडिउवडीनं ठवडी कलक
भणेनः कुलेणलपवक भणेनः भवा
ठिलधमपूड्डुः डयडि सुडठं यड
यक भणेनः भमपुणन भनं लिडाड
इक भमपूड्डु पुनः भयभरडिउमेवण
लावक भणेनः सुववा कुलेन नमैव भ
वठिलधिमडी भमपुणलमाडी
डुः सुवलेकयडु डिल्लेठठवडु
डिमणमपुडेलिम ॥ सुववावलेकय
उडिल्लेठलेकनेलेकन भवलेकममनं
पुनं डुवडुः कण्डमपुडेलिम ॥ १०

[illegible]





جانی آدی
لئے۔ اراکان

کتابت ہے۔ - ۸۷۵

卷之四

حداد و زر و زر

۲۵۰۰

نکاح

کتابخانه دی

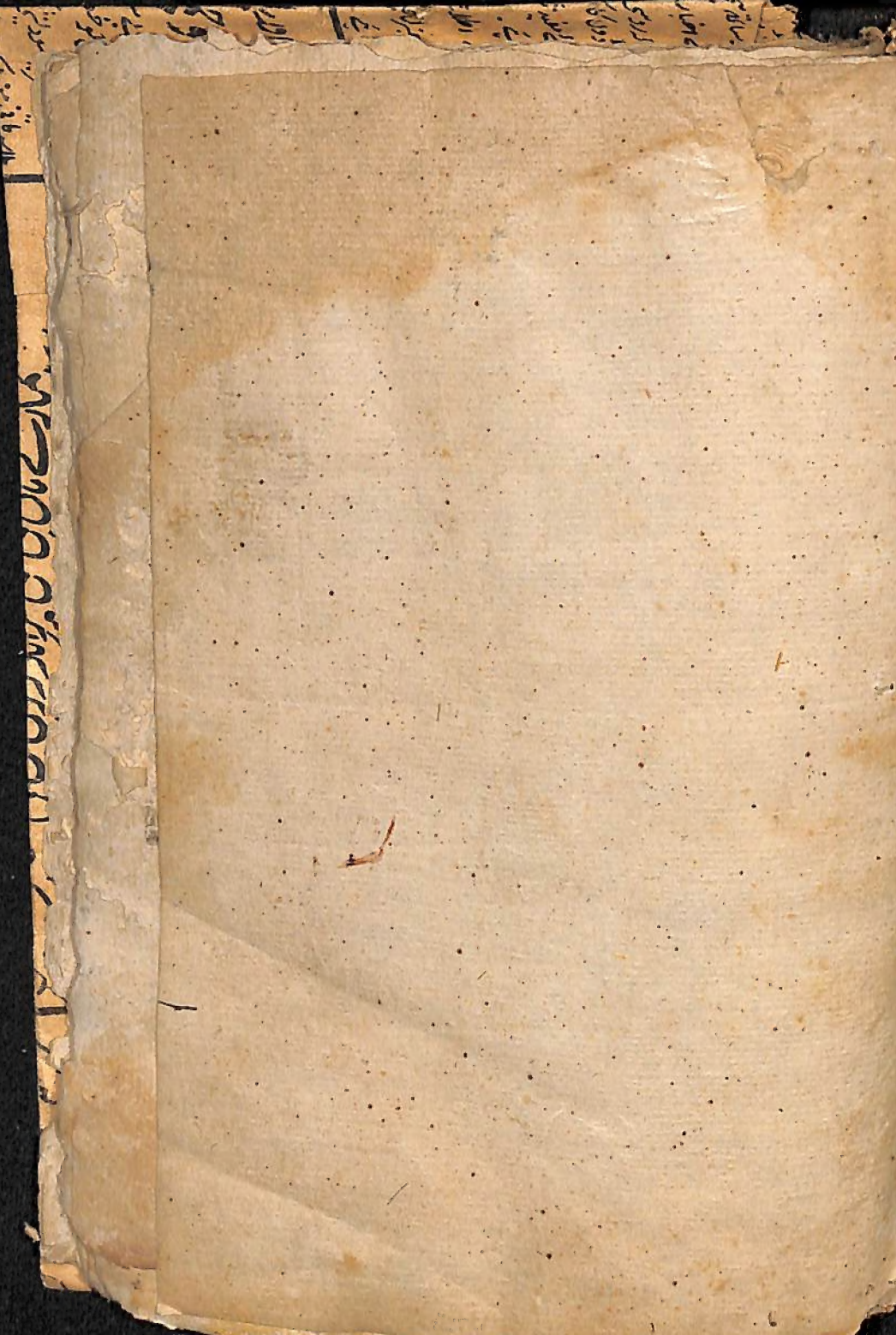
ملک کے لئے



五

9

卷之五



۷۰ - ۷۱ - ۷۲ - ۷۳ - ۷۴ - ۷۵ - ۷۶ - ۷۷ - ۷۸ - ۷۹ - ۸۰ - ۸۱ - ۸۲ - ۸۳ - ۸۴ - ۸۵ - ۸۶ - ۸۷ - ۸۸ - ۸۹ - ۹۰ - ۹۱ - ۹۲ - ۹۳ - ۹۴ - ۹۵ - ۹۶ - ۹۷ - ۹۸ - ۹۹ - ۱۰۰

۱۰۱ - ۱۰۲ - ۱۰۳ - ۱۰۴ - ۱۰۵ - ۱۰۶ - ۱۰۷ - ۱۰۸ - ۱۰۹ - ۱۱۰ - ۱۱۱ - ۱۱۲ - ۱۱۳ - ۱۱۴ - ۱۱۵ - ۱۱۶ - ۱۱۷ - ۱۱۸ - ۱۱۹ - ۱۲۰

۱۲۱ - ۱۲۲ - ۱۲۳ - ۱۲۴ - ۱۲۵ - ۱۲۶ - ۱۲۷ - ۱۲۸ - ۱۲۹ - ۱۳۰ - ۱۳۱ - ۱۳۲ - ۱۳۳ - ۱۳۴ - ۱۳۵ - ۱۳۶ - ۱۳۷ - ۱۳۸ - ۱۳۹ - ۱۴۰

۱۴۱ - ۱۴۲ - ۱۴۳ - ۱۴۴ - ۱۴۵ - ۱۴۶ - ۱۴۷ - ۱۴۸ - ۱۴۹ - ۱۵۰ - ۱۵۱ - ۱۵۲ - ۱۵۳ - ۱۵۴ - ۱۵۵ - ۱۵۶ - ۱۵۷ - ۱۵۸ - ۱۵۹ - ۱۶۰

۱۶۱ - ۱۶۲ - ۱۶۳ - ۱۶۴ - ۱۶۵ - ۱۶۶ - ۱۶۷ - ۱۶۸ - ۱۶۹ - ۱۷۰ - ۱۷۱ - ۱۷۲ - ۱۷۳ - ۱۷۴ - ۱۷۵ - ۱۷۶ - ۱۷۷ - ۱۷۸ - ۱۷۹ - ۱۸۰

۱۸۱ - ۱۸۲ - ۱۸۳ - ۱۸۴ - ۱۸۵ - ۱۸۶ - ۱۸۷ - ۱۸۸ - ۱۸۹ - ۱۹۰ - ۱۹۱ - ۱۹۲ - ۱۹۳ - ۱۹۴ - ۱۹۵ - ۱۹۶ - ۱۹۷ - ۱۹۸ - ۱۹۹ - ۲۰۰

۲۰۱ - ۲۰۲ - ۲۰۳ - ۲۰۴ - ۲۰۵ - ۲۰۶ - ۲۰۷ - ۲۰۸ - ۲۰۹ - ۲۱۰ - ۲۱۱ - ۲۱۲ - ۲۱۳ - ۲۱۴ - ۲۱۵ - ۲۱۶ - ۲۱۷ - ۲۱۸ - ۲۱۹ - ۲۲۰

۲۲۱ - ۲۲۲ - ۲۲۳ - ۲۲۴ - ۲۲۵ - ۲۲۶ - ۲۲۷ - ۲۲۸ - ۲۲۹ - ۲۳۰ - ۲۳۱ - ۲۳۲ - ۲۳۳ - ۲۳۴ - ۲۳۵ - ۲۳۶ - ۲۳۷ - ۲۳۸ - ۲۳۹ - ۲۴۰

۲۴۱ - ۲۴۲ - ۲۴۳ - ۲۴۴ - ۲۴۵ - ۲۴۶ - ۲۴۷ - ۲۴۸ - ۲۴۹ - ۲۵۰ - ۲۵۱ - ۲۵۲ - ۲۵۳ - ۲۵۴ - ۲۵۵ - ۲۵۶ - ۲۵۷ - ۲۵۸ - ۲۵۹ - ۲۶۰

۲۶۱ - ۲۶۲ - ۲۶۳ - ۲۶۴ - ۲۶۵ - ۲۶۶ - ۲۶۷ - ۲۶۸ - ۲۶۹ - ۲۷۰ - ۲۷۱ - ۲۷۲ - ۲۷۳ - ۲۷۴ - ۲۷۵ - ۲۷۶ - ۲۷۷ - ۲۷۸ - ۲۷۹ - ۲۸۰

